Exam. Code : 103203
Subject Code : 1105

B.A./B.Sc. 3rd Semester

HINDI (Elective)

(Madhyyugeen Kavya, Itihas, Vyakaran Tatha Kavyang)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से **एक** प्रश्न का चयन करें। **पांचवां** प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग—अ

सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

1. चरन-कमल बंदौ हरि राइ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे को सब कछु दरसाइ।
बहिरौ सुनै, गूँग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराइ।।
सूरदास स्वामी करुनामय, बार-बार बंदौं तिहिं पाइ।। 20

2. देवा हमन पाप करन्त अनन्ता, पतित पावन नामु कस हुन्ता।
तोहि-मोहि, मोहि-तोहि अंतर ऐसा, कनक कटिक जल तरंग जैसा।।
मैं नर तुमही अंतरजामी प्रभु, मैं जन तैं जानिये स्वामी।
तुम सबनि में सब तुम माहीं, रैदास दास असमंजस नाहीं।। 20

http://www.gnduonline.com

भाग—ब

प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :—

3. बिहारी का जीवन परिचय लिखिए। 20

4. तुलसीदास के काव्य के आधार पर कवि की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए। 20

भाग—स

प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :—

5. आदिकाल की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। 20

6. सिद्ध साहित्य का परिचय देते हुए विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। 20

भाग—द

प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए :—

7. यमक और रूपक अलंकारों के लक्षण सोदाहरण दीजिए। 20

8. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :— 20
विद्यार्थी, देवालय, महेश, हितोपदेश, एकैक, अन्वय, अन्वेषण, नायक, उच्चारण, उज्ज्वल।

http://www.gnduonline.com